Chapter- 1

# आओ ! हम अच्छे बने

**STUDY NOTES**

## MIND MAP

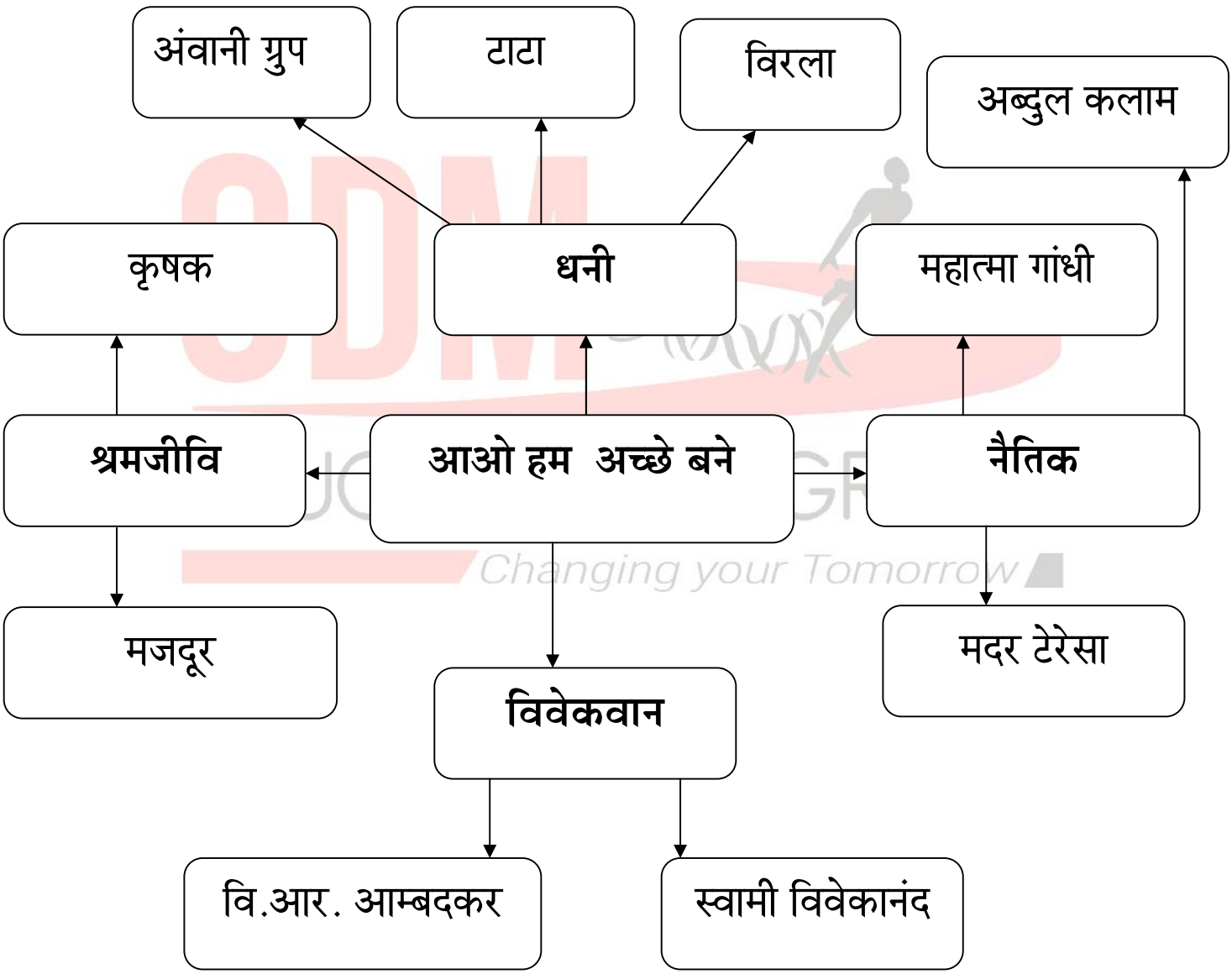

## पाठ प्रवेश –

आओ हम अच्छे बने कविता में कवि डॉ. सिद्धया पुराणिक जी भारत के नागरिकों को अच्छे बनने के लिए प्रेरण दे रहे हैं । कवि का मानना है कि अच्छे नागरिकों से एक अच्छे भविष्य का निर्माण हो सकता है । इसलिए हमारे मन में देश के प्रति आदर सम्मान का भाव होना चाहिए ।

प्रस्तुत कविता भारतीय नागरिकों को जागृत करने के लिए कहा गया है । भारत की प्राकृतिक गठन के दृष्टि से भी बहुत बड़ा है । इसके संस्कृति, सभ्यता महान तथा सबसे अलग है । हमारा देश कला, संस्कृति, शिल्प हर क्षेत्र में धनी है । इसकी संस्कृति सभ्यता उसके पहचान है । इस देश के हर व्यक्ति परिश्रमी है । यहां के लोगों में पर्वत में भी फूल खिलाने की ताकत छिपा हुआ है । उसी देश के नागरिक हो कर हम कैसे पीछे रह सकते हैं ? जिस देश का गुणगान सारा विश्व करता है उस देश के हम सुनागरिक है । सुनागरिकों से ही एक देश आगे बढ़ता है, तो है! भारतवासी आओ हम सब अच्छे नागरिक बने देश के प्रति आदर सम्मान का भाव रखें और एक अच्छे भविष्य के निर्माण करें ।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow